सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–586
07/08/2017

बिहार में पर्यावरण की सुरक्षा के लिये हरसंभव काम करेंगे :– मुख्यमंत्री

पटना, 07 अगस्त 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज वीर कुंवर सिंह पार्क में आयोजित वृक्ष सुरक्षा दिवस के कार्यक्रम में वृक्ष को राखी बांधा। उन्होंने वीर कुंवर सिंह पार्क में वृक्षारोपण भी किया। मुख्यमंत्री ने बैट्री संचालित वाहन से वीर कुंवर सिंह पार्क का भ्रमण किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि आज रक्षा बंधन का दिन है। रक्षा बंधन के अवसर पर वर्ष 2011 से वृक्ष सुरक्षा दिवस मनाया जाता है। हम पेड़ को राखी बांधते हैं तथा उसके रक्षा का संकल्प लेते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे यहॉ हरियाली की कमी थी। झारखण्ड के बॅटवारे के बाद बिहार का हरित आवरण (ग्रीन कवर) 9 प्रतिशत से भी कम था। उन्होंने कहा कि इस विषय पर काफी विचार–विमर्श किया गया कि हम बिहार का ग्रीन कवर कितना कर सकते हैं। सभी चीजों के मंथन के पश्चात यह नतीजा निकला कि ग्रीन कवर को हम अधिक्तम 17 प्रतिशत तक ले जा सकते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुये यह तय किया गया कि वर्ष 2017 तक हम बिहार के ग्रीन कवर को 15 प्रतिशत तक ले जायेंगे। इसके लिये हरियाली मिशन का शुभारंभ वर्ष 2011 से किया गया। 24 करोड़ वृक्ष लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। आज हम इस निर्धारित लक्ष्य को लगभग प्राप्त कर लिये हैं। इसी तरह आगे ग्रीन कवर का 17 प्रतिशत का लक्ष्य भी प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि वन एवं पर्यावरण विभाग ने इस कार्य में पूरी दिलचस्पी दिखाई है। उन्होंने कहा कि वृक्ष रक्षा के साथ–साथ मनरेगा कार्यक्रम के अन्तर्गत वृक्षारोपण का कार्य किया गया। बांध पर तथा सड़कों के किनारे वृक्ष लगाये गये। किसानों को भी अपने खेत के चारो तरफ वृक्ष लगाने को कहा गया, इससे उनकी आमदनी भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि शुरू में बिहार में पेड़ लगाने के लिये पौधा की उपलब्धता की कमी थी। इस तरफ भी ध्यान दिया गया। आज बिहार में लगाने के लिये प्रर्याप्त मात्रा में पौधे उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि हमें पूरा भरोसा है कि हम 15 प्रतिशत का लक्ष्य प्राप्त करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अपने संसाधनों से वृक्षारोपण कार्य का सर्वेक्षण करायेगी। उन्होंने कहा कि हमें और आगे बढ़ना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मौसम का मिजाज किस तरह से बदलता रहता है। कभी कम वर्षा होती है, कभी भारी वर्षा होती है, ठनका कितना गिरने लगा है। वज्रपात गिरने के संबध में उन्होंने कहा कि अगर समय से पहले पता चल जाय तो बचाव किया जा सकता है। इस क्षेत्र में भी काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आप स्वयं देख रहे हैं कि पर्यावरण से छेड़छाड़ का क्या प्रभाव हो रहा है। हमलोग पीड़ित इलाके में हैं। पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। उन्होंने कहा कि गंगा नदी को ही देख लीजिये, गंगा नदी की अविरलता एवं निर्मलता बनाये रखने के लिये राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार काम कर रही है। इस क्षेत्र के विशेषज्ञों का सेमिनार आयोजित किया गया। केन्द्र सरकार को भी सुझाव दिया गया। आज गंगा नदी में गाद जमा है, थोड़ी बारिश होने पर भी बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने कहा कि नगर विकास एवं आवास विभाग को भी निर्देश दिया गया है। सीवरेज तथा ड्रेनेज व्यवस्था को सुदृढ़ किया जायेगा।

नाली के पानी का ट्रीटमेंट किया जायेगा। ट्रीटमेंट के बाद भी पानी को नदी में नहीं छोड़ा जायेगा बल्कि इस जल का उपयोग सिंचाई के लिये किया जायेगा। उन्होंने कहा कि हम गंगा की अविरलता एवं निर्मलता के प्रति प्रतिबद्ध हैं। हम गंगा नदी के किनारे ऑर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा देंगे। सिंचाई के लिये सिवरेज ट्रीटमेंट के पानी का उपयोग किया जायेगा। वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग किया जायेगा। उन्होंने कहा कि हमने लावारिस घूम रहे पशुओं को गौशाला में रखने के लिये पटना जिलाधिकारी को निर्देश दिया था। अब पटना साहिब के गौशाला में लावारिस पशुओं को रखा जा रहा है। हम इन लावारिस पशुओं की रक्षा करेंगे, उनका देखभाल करेंगे। उन्होंने कहा कि पशुओं के गोबर एवं मूत्र का उपयोग जैविक कृषि में किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गॉधी जी कहा करते थे कि पृथ्वी सक्षम है, आपकी जरूरतों को पूरा करने में, न कि आपके लालच को पूरा करने में। उन्होंने कहा कि हमें पर्यावरण पर पूरा ध्यान देना होगा। जो कुछ प्रकृति ने दिया है, उसका सदुपयोग करें। इससे संतुलन कायम रहेगा। उन्होंने कहा कि हमने बिहार के हरित आवरण को बढ़ाकर 15 प्रतिशत किया है, इसे और बढ़ाया जायेगा। जैविक कृषि के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि जैविक कृषि के माध्यम से ऊपजाये गये सब्जियों या कोई भी अनाज की कीमत ज्यादा मिलती है। बिहारशरीफ के सोहडीह गॉव उदाहरण देते हुये उन्होंने कहा कि यहॉ जैविक कृषि के माध्यम से उत्पादन किया जाता है, हम सभी इसे देखने गये थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वीर कुंवर सिंह पार्क में वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा स्थापित की जायेगी, साथ ही आजादी की लड़ाई में बिहार की भूमिका से संबंधित आलेख लगाये जायेंगे, जिससे इस पार्क में आने वाले बच्चों को हमारे इतिहास के संदर्भ में पूरी जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि वीर कुंवर सिंह पार्क में लोगों के लिये सभी चीजें उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम में आने के लिये मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूँ तथा वृक्ष सुरक्षा दिवस की बधाई देता हूँ। हम बिहार में पर्यावरण की सुरक्षा के लिये हरसंभव काम करेंगे।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि रक्षा बंधन के अवसर पर भाई–बहन दोनों एक दूसरे की रक्षा का संकल्प लेते हैं। रक्षा का मतलब हर प्रकार की रक्षा होती है। उन्होंने कहा कि 2017 में वन क्षेत्र को 15 प्रतिशत करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसे लगभग हासिल कर लिया गया है। अगले पॉच साल में इसे और दो प्रतिशत बढ़ाने का लक्ष्य है।

इस अवसर पर बच्चियों एवं महिलाओं ने मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार एवं उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी को राखी बांधी।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पाण्डेय, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री श्री विनोद नारायण झा, विधान परिषद के पूर्व सभापति श्री अवधेश नारायण सिंह, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, प्रधान सचिव वन एवं पर्यावरण श्री विवेक कुमार सिंह, मुख्य वन संरक्षक श्री डी0के0 शुक्ला, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, प्रबुद्ध नागरिकगण एवं वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

******